हिन्दी साप्ताहिक

Title Code:- UTTBIL00534

उत्तराखण्ड अभ्युदय

♦वर्ष -01 ♦ अंक-41 ♦देहरादून - रविवार 17 अगस्त 2025 ♦पृष्ठ : 4 ♦मूल्यः 1/-

राज्यपाल ने की आईटी पार्क स्थित आपातकालीन परिचालन केंद्र पहुंचकर धराली में आई आपदा से जुड़े राहत और बचाव कार्यों एवं प्रभावितों के पुर्नवास हेतु किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने गुरुवार को आईटी पार्क, देहरादून स्थित राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र पहुंचकर धराली (उत्तरकाशी) में 5 अगस्त को आई आपदा से जुड़े राहत और बचाव कार्यों एवं प्रभावितों के पुर्नवास हेतु किए जा रहे प्रयासों की विस्तृत समीक्षा की।

राज्यपाल ने ग्राउंड जीरो पर कार्यरत सभी बलों, अधिकारियों और कर्मचारियों की सराहना की और कहा कि यह सामूहिक उत्तरदायित्व और टीम भावना का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने इस संकट में आगे आकर इस स्थिति का कुशल नेतृत्व किया, जो आपदा के समय एक आदर्श नेतृत्व की मिसाल है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने धराली आपदा में सभी विभागों के बीच समन्वय स्थापित करते हुए राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र से बचाव कार्यों की निगरानी जिस प्रकार की है, वह अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड भौगोलिक दृष्टि से आपदाओं के प्रति संवेदनशील राज्य है, इसलिए ऐसी चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार रहना, निरंतर सीखना और रणनीतियों को अपडेट रखना

जरूरी है।

राज्यपाल ने इस कठिन समय में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा राज्य को हरसंभव सहायता प्रदान करने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि किसी भी आपदा का प्रभावी सामना करने के लिए त्वरित निर्णय आवश्यक होते हैं और धराली आपदा में भी यही दृष्टिकोण अपनाते हुए स्थानीय लोगों को समय पर सहायता प्रदान की गई। उन्होंने निर्देश दिए कि इस आपदा में किए गए राहत एवं बचाव कार्यों का डॉक्यूमेंटेशन और विश्लेषण किया जाए, जिससे भविष्य के लिए एक स्पष्ट रोडमैप तैयार हो सके और आपदा प्रबंधन की क्षमता को और प्रभावी बनाया जा सके। साथ ही, उन्होंने यूएसडीएमए द्वारा बनाई गई एसओपी को समय-समय पर मैदानी अनुभव और परिस्थितियों के अनुसार अद्यतन किए जाने की जरूरत बताई।

राज्यपाल ने यह भी कहा कि मानसून अभी जारी है और आगे कई प्रकार की चुनौतियां आ सकती हैं, इसलिए सभी संबंधित एजेंसियों को 24ग्7 अलर्ट मोड में रहना होगा। उन्होंने कहा कि घटना से अधिक महत्वपूर्ण यह है कि हम उस पर कैसी प्रतिक्रिया देते हैं, क्योंकि यही तय करता है कि जान-माल का नुकसान कितना कम किया जा सकता है। राज्यपाल ने इस पूरे राहत अभियान में मीडिया की भूमिका की भी प्रशंसा की, जिसने सही सूचनाएं जनता तक पहुंचाकर अफवाहों और भ्रम की स्थिति से बचाया।

इस अवसर पर राज्यपाल ने आईआईटी रुड़की के वैज्ञानिकों और अन्य विशेषज्ञ टीमों से वर्चुअल माध्यम से संवाद किया। उन्होंने हर्षिल में बनी झील से जल निकासी, धराली-मुखबा पुल की स्थिति एवं उसकी सुरक्षा सहित अन्य महत्वपूर्ण अभियानों की प्रगति की जानकारी ली। टीम ने बताया कि सर्वे का कार्य जारी है और रिपोर्ट शीघ्र शासन को सौंपी जाएगी।

इस दौरान सचिव, आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास श्री विनोद कुमार सुमन ने राज्यपाल को आपदा की पृष्ठभूमि, क्षति का आकलन और अब तक की गई कार्यवाही के बारे में अवगत कराया। उन्होंने बताया कि धराली और हर्षिल क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, सेना, पुलिस विभाग, आईटीबीपी, बीआरओ तथा अन्य एजेंसियों के एक हजार से अधिक अधिकारी एवं कर्मचारी लगातार राहत और बचाव कार्यों में जुटे हैं। प्रतिकूल मौसम और कठिन भू-परिस्थितियों के बावजूद मात्र पांच दिनों में 13 सौ से अधिक यात्रियों एवं स्थानीय निवासियों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया गया। उन्होंने किए जा रहे प्रयासों के बारे में विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण विनय रोहिला, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रशासन श्री आनंद स्वरूप, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी क्रियान्वयन डीआईजी श्री राजकुमार नेगी आदि उपस्थित रहे।

सीडीओ कोंडे की अध्यक्षता में हुई ग्रामीण क्षेत्रों की स्वच्छता को लेकर महत्वपूर्ण बैठक

हरिद्वार। मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा कोंडे की अध्यक्षता में आज, 14 अगस्त को ग्रामीण क्षेत्रों की स्वच्छता को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। यह बैठक जनपद के प्रत्येक विकासखंड से चुनी गई 5 ग्राम पंचायतों में स्वच्छता की कार्ययोजना पर चर्चा के लिए आयोजित की गई थी। इसमें सभी विकासखंडों के माननीय प्रधानों ने भाग लिया। बैठक में परियोजना निदेशक डीआरडीए ने जानकारी दी कि सभी विकासखंडों में ग्राम पंचायतों और स्वयं सहायता समूहों (ैभ्ळे) का चयन और उनके साथ बैठकें पूरी हो चुकी हैं। मुख्य विकास अधिकारी ने अब तक की गई कार्यवाही को संतोषजनक बताया और निर्देश दिया कि इस कार्य की शुरुआत 15 अगस्त से की जाए।

जिला पंचायत राज अधिकारी अतुल प्रताप सिंह ने बताया कि इस कार्य के लिए 15वें वित्त आयोग के टाइड फंड का उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने सभी प्रधानों से अपील की कि वे अपने गाँवों को स्वच्छ बनाने के लिए सहयोग करें। उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि विकासखंड के सभी कर्मचारी इस कार्य में पूरा सहयोग देंगे।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि स्वच्छता के कार्य में समूह की महिलाओं का सहयोग लिया जाएगा। इसके साथ ही, प्रत्येक परिवार से श्यूजर चार्जश तय कर उसे एकत्रित करने का दायित्व प्रधानों को सौंपा गया।इस बैठक में परियोजना निदेशक डीआरडीए कैलाश नाथ तिवारी, जिला विकास अधिकारी वेदप्रकाश, सहायक परियोजना निदेशक सुश्री नलिनीत घिल्डियाल, एएमए जिला पंचायत, सभी खंड विकास अधिकारी (ठक्वे), सभी ब्लॉक मिशन प्रबंधक (ठडडे) और सभी एडीओ पंचायत उपस्थित थे।

बैगुल में आयी बाढ़ से 250 से अधिक घर जलमग्न

रुद्रपुर। पहाड़ों में हो रही लगातार बारिश के कारण गुरुवार तड़के करीब चार बजे बैगुल और कैलाश नदियों का जलस्तर बढ़ गया। बैगुल का जलस्तर खतरे से अधिक होने ने बाढ़ आ गई। शक्तिफार्म क्षेत्र के अरविन्दनगर, झाड़ी गांव में करीब 250 घरों में पानी भर गया। आसपास के गांव भी जलमग्न हो गए। वहीं गोठा में बरसाती पानी से भरे गड्ढे में गिरने से 68 वर्षीय गामा प्रसाद की मौत हो गई। सुबह 9 बजे प्रशासनिक महकमा मौके पर पहुंचा। एसडीआरएफ व एनडीआरएफ ने बाढ़ में घरों में फंसे लोगों का रेस्क्यू शुरू किया। घरों में पानी भरने से लोग मूसलाधार बारिश में छतों में शरण लिए थे।

दोपहर बाद ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों पर लाया गया। गुरुवार दोपहर में 700 प्रभावितों को खाना वितरित किया गया। सिसौना में भी कई घरों में पानी भर गया। तहसीलदार हिमांशु जोशी के नेतृत्व में सुरक्षित निकाला गया। गुरुवार की सुबह बैगुल, सूखी और कैलाश नदी में बाढ़ आ गई। इससे नदी किनारें बसे गांव, घर और खेत जलमग्न हो गए। वहीं, शक्तिफार्म के गांव अरविंदनगर और झाड़ी को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। जहां लोगों के घरों में पांच से सात फीट तक पानी भर गया। इस कारण गांव के करीब 250 परिवारों को घर छोड़ना पड़ा। कई परिवार अपने परिजनों के घर चले गए तो कइयों को प्रशासन के बनाए राहत शिविर आकर रहना पड़ा। ग्रामीणों ने बताया कि बैगुल नदी के डाउनस्ट्रीम में दाएं तरफ के बांध से नदी का पानी बैक फ्लो होते हुए गांव की ओर आ गया। इससे रात करीब एक बजे गांव में पानी भरना शुरू हो गया। सुबह होने तक गांव में पांच फीट तक पानी भर गया। वहीं, बाराकोली रेंज के जंगल से सटे गांव में करीब सात फीट तक पानी भर गया। वहां लोगों के घर पानी में डूब गए और लोगों को मजबूरी में अपना घर छोड़ना पड़ा। सिचाई खंड के ईई एएस नेगी ने बताया कि बैगुल नदी में खतरे का निशान 45 हजार क्यूसेक है। गुरुवार को करीब 47 हजार क्यूसेक पानी आया।

सम्पादकीय

आपदा में अडिग योद्धा

अचानकसंभवाः क्लेशाः सुखशान्तिं विनाशयन्।
जनानां जीवनं दुःखैः पूरयन्ति निरन्तरम्॥
धैर्यशौर्यसमायुक्ता दृढव्रता महाशयाः।
आपदां निवार्याथ पुनर्वासं विधास्यन्ति॥

अर्थात्

अचानक आने वाली प्राकृतिक आपदाएं जनसामान्य के सुकून को छिन्न-भिन्न कर आंसुओं का सैलाब लाती हैं, ये बहुत पीड़ादायक होती हैं। परंतु साहसी,अपरिमित शौर्य वाले दृढनिश्चयी व्यक्ति आपदाओं के उपरांत पुनर्वास की व्यवस्था का संचालन करते हैं,एक योद्धा के जैसे होते हैं।

हाल के दिनों में धराली (उत्तरकाशी) से लेकर पौड़ी गढ़वाल तक जहां भी आपदा ने संकट खड़ा किया,वहां मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी सबसे पहले पहुंचे। राहत और बचाव कार्यों को युद्ध स्तर पर संचालित करने के साथ-साथ वे स्वयं ग्राउंड जीरो पर डटे रहे। पिछले 2 दिन से धामी ग्राउंड जीरो पर हैं। पल-पल की जानकारी ले,हर स्तर पर व्यवस्थाओं की मॉनिटरिंग करना ,निरीक्षण करना और आपदा प्रबंध न की पूरी मशीनरी का चौबीसों घंटे सक्रिय रहना सराहनीय है।

मुख्यमंत्री के ऊर्जावान,ओजस्वी व प्रेरक नेतृत्व में बचाव कार्यों के लिए अभूतपूर्व संसाधनों को एकत्र किया गया । किसी भी तरह की कोई कमी महसूस नहीं होने दी गई। ऑपरेशन में बंद सड़कों को खोलने, इंटरनेट सेवा बहाल करने , बिजली,पाइपों की टूटी लाइनों को भी जोड़ने का कार्य तत्परता से किया गया । पौड़ी गढ़वाल में सीएम धामी ने आपदा से प्रभावित नैठा बाजार, सैंजी गांव और बांकुड़ा क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया और उन्हें भरोसा दिलाया कि बेटे और भाई की तरह हर संकट में उनके साथ खड़े हैं। धराली में घायल एवं बीमार लोगों को सभी बुनियादी आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगातार उपलब्ध कराई जा रही हैं।स्वास्थ्य विभाग के साथ साथ चौबीसों घंटे SDRF/ NDRF और ITBP के जवान सेवारत हैं।उनके अनवरत सेवाभाव,कर्तव्यनिष्ठा एवं जज्बे को नमन है।कठिनतम परिस्थितियों में भी राहत-बचाव एवं पुनर्वास कार्य पूरी शिद्दत से करना उन सभी व्यक्तियों को एक योद्धा सरीखा सिद्ध करता है। अहर्निश सेवाभाव से समर्पित उन योद्धाओं को कोटि-कोटि नमन है जो उत्तरकाशी एवं पौड़ी में घटित आपदा में बचाव कार्य में लगातार लगे हुए हैं।

धराली में यह रेस्क्यू ऑपरेशन केवल एक प्रशासनिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में चल रहा उत्तराखंड का मानवीय संकल्प है, जिसमें हर व्यक्ति को बचाने का अथक प्रयास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री धामी का मैदान में डटे रहना न केवल पूरे प्रशासन को ऊर्जा दे रहा है, बल्कि संकट की इस घड़ी में लोगों को यह विश्वास भी दिला रहा है कि सरकार हर पल उनके साथ खड़ी है।

जय देवभूमि उत्तराखंड!! जय भारत!!

डॉ.गार्गी मिश्रा

बांग्लादेश में हिन्दू अल्पसंख्यकों के उत्पीडन दुर्भाग्यपूर्ण

अनिल जैन

जिस बांग्लादेश के निर्माण में भारत ने अहम भूमिका निभाई थी, अब उसी के साथ भारत के रिश्ते अभूतपूर्व तनाव के दौर से गुजर रहे हैं। वहां चार महीने पहले निर्वाचित सरकार के तख्तापलट और उसके बाद अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के भारत में शरण ले लेने के बाद दोनों देशों के बीच राजनयिक रिश्ते तो तल्ख हुए ही हैं, साथ ही बांग्लादेश में रह रहे हिन्दू अल्पसंख्यकों पर हिंसक हमलों की घटनाओं से भी दोनों देशों के रिश्तों में खासी कटुता आ गई है।

यह बात किसी से छिपी नहीं है कि बांग्लादेश में ऐसे लोगों की बड़ी तादाद हो गई है जो अपने देश की पहचान 1971 के संदर्भ में नहीं, बल्कि 1947 के संदर्भ में देखने लगे हैं। देश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस तो संयुक्त राष्ट्र के मंच पर भी कह चुके हैं, श्बांग्लादेश बना, क्योंकि लोगों का उदारवाद, बहुलवाद एवं धर्मनिरपेक्षता में गहरा यकीन था। अब दशकों बाद नई पीढ़ी उन मूल्यों और उसूलों पर पुनर्विचार कर रही है, जैसा कि 1952 में हुआ था, जब हमारे देशवासियों ने अपनी मातृ भाषा बांग्ला की रक्षा का संकल्प लिया था।' यानी 1952 में तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान के लोगों ने मजहबी आधार पर बने राष्ट्र (पाकिस्तान) को नकार कर भाषा एवं संस्कृति पर आधारित बहु-धर्मीय राष्ट्र को स्वीकार किया था। लेकिन अब लोग 1947 की तरफ देख रहे हैं, जब भारत का मजहबी आधार पर विभाजन हुआ था। अब बात चूंकि मुस्लिम पहचान पर आ गई है, तो स्वाभाविक नतीजा यह है कि वहां धार्मिक अल्पसंख्यकों के समान अधिकार की आकांक्षा पर चोट की जा रही है। इस रूप में पूरब की ओर भी पाकिस्तान की धारणा साकार हो रही है। यह घटनाक्रम ऐसे वक्त पर उभर कर सामने आया है, जब भारत उसे वैचारिक चुनौती देने के लिहाज से बेहद कमजोर स्थिति में है। चूंकि भारत में भी अब सत्ता प्रेरित मुख्य विमर्श हिन्दू-मुसलमान पर केंद्रित है, लिहाजा बांग्लादेश में हमेशा से मौजूद रही और अब सिर उठा कर सामने आ चुके महजबी कट्टरपंथी ताकतों को भी तर्क और ताकत मिल रही है।

वैसे शेख हसीना के तख्तापलट के बाद से वहां मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने भी पाकिस्तान से रिश्तों में गर्माहट लाने की दिशा में ऐसे कई ठोस कदम उठाए हैं, जो भारत के हित में नहीं माने जा सकते। पिछले महीने ही पाकिस्तान का एक मालवाहक पोत कराची से चल कर बांग्लादेश के दक्षिणपूर्वी तट स्थित चटगांव बंदरगाह पर पहुंचा। 1971 में बांग्लादेश के मुक्ति युद्ध के बाद से दोनों देशों में पहली बार सीधा समुद्री संपर्क हुआ है।इससे पहले उनके बीच समुद्री व्यापार सिंगापुर या कोलंबो के जरिए होता था। खुद बांग्लादेश ने इस घटना को पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय संबंधों में महत्त्वपूर्ण कदम की शुरु आत बताया है। कहा है कि इस रूट पर समुद्री संपर्क बनना दोनों देशों के बीच सप्लाई चेन को आसान बनाएगा, परिवहन के समय में कमी आएगी और आपसी व्यवसाय के लिए नये अवसरों के दरवाजे खुलेंगे।जाहिर है कि यह सीधा समुद्री संपर्क पाकिस्तान और बांग्लादेश के राजनयिक रिश्तों में ऐतिहासिक बदलाव का संकेत है। इसके पहले खबर आई थी कि दोनों देश एक परमाणु सहयोग समझौते पर बातचीत कर रहे हैं, जिसके तहत पाकिस्तान परमाणु बिजली संयंत्र लगाने में बांग्लादेश की मदद करेगा। पूरा घटनाक्रम भारत के लिए चिंता का पहलू है। आम संबंधों के साथ दोनों देशों के उग्रवादी तत्वों के बीच संपर्क बनना भी आसान हो सकता है। लेकिन इस मामले में भारत कुछ कर सकने की स्थिति में नहीं दिखता।

दुर्भाग्यपूर्ण है कि बांग्लादेश में हिन्दू अल्पसंख्यकों के उत्पीडन को लेकर वहां की अंतरिम सरकार को अंतरराष्ट्रीय कठघरे में खड़ा करने की रणनीति पर राष्ट्रीय आम सहमति बनाने की बजाय भारत में सियासी पार्टियां खासकर सत्तारूढ़ पार्टी राजनीतिक लाभ उठाने के अभियान में जुटी हुई हैं। भाजपा और उसके सहयोगी उग्र हिन्दूवादी संगठनों की ओर से देश में जगह-जगह बांग्लादेश के खिलाफ और वहां रह रहे हिन्दुओं के समर्थन में प्रदर्शन हो रहे हैं। बांग्लादेश के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करके उसे सबक सिखाने की बातें हो रही हैं। कहा जा रहा है कि पूरे बांग्लादेश को निबटाने के लिए भारत के दो राफेल विमान ही काफी हैं। बांग्लादेश को बिजली, पानी और दूध की आपूर्ति बंद कर देने की बातें कही जा रही हैं। मगर भारत में यह सब करने और कहने से बांग्लादेश के हिन्दुओं का भला होने की बजाय और नुकसान ही हो रहा है। यही वजह है कि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की के सदस्य गायेर चंद्र रॉय को कहना पड़ा है कि उनके देश के मामलों में भारत दखलंदाजी करने और बांग्लादेश के राजनीतिक दलों को नियंत्रित करने की कोशिशों से बाज आए।

किसी दृष्टि से छोटी घटना नहीं सुखबीर बादल पर हमला

अवधेश कुमार

अमृतसर में श्री हरमंदिर साहिब में शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के अध्यक्ष और पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर बादल पर हमला किसी दृष्टि से छोटी घटना नहीं है।

संयोग कहिए या सुखबीर बादल की अभी आयु बची है अन्यथा हमलावर ने गोली चला ही दी थी। सुरक्षाकर्मियों ने उसे त्वरित गति से नियंत्रणमें लिया और हाथ ऊपर उठा दिया वरना जितने निकट से गोली चलाई गई थी सीधे सुखबीर बादल की छाती या सिर में घुस जाती।

सुखबीर बादल को अन्य अकाली नेताओं के साथ श्रीअकाल तख्त साहिब की तरफ से 11 दिन की सेवा की धार्मिक सजा सुनाई गई है। वे मुख्य प्रवेश द्वार पर बरछा लेकर व्हीलचेयर पर बैठे थे। उनकी सजा का दूसरा दिन था। इस समय सुखबीर बादल का पैर क्षतिग्रस्त है जिस कारण वह कुर्सी पर बैठ कर सेवा कर रहे हैं। हमलावर 9 एमएम का ग्लोक रिवाल्वर लेकर इतने निकट पहुंच गया तो जांच होनी चाहिए कि ऐसा क्यों हुआ? वैसे यह दुर्भाग्य है कि कुछ नेताओं ने यही आरोप लगा दिया कि सुखबीर ने सहानुभूति लेने के लिए हमला कराया। पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने कहा है कि हम इस पहलू से भी जांच कर रहे हैं। हमले के तरीके और स्थिति को देखते हुए सामान्य व्यक्ति सोच भी नहीं सकता कि इसके पीछे सुखबीर बादल या स्वयं अकाली दल का ही कोई षड्यंत्र होगा।

गिरफ्तार हमलावर का नाम नारायण सिंह चौड़ा है जिसे बब्बर खालसा इंटरनेशनल का आतंकवादी कहा जा रहा है। वह डेरा बाबा नानक का रहने वाला है। नारायण सिंह चौड़ा पर आतंक और अपराध के अनेक आरोप हैं। जानकारी के अनुसार उस पर पाकिस्तान से भारी संख्या में हथियार लाने सहित करीब 30 मामले दर्ज हैं। वह तीन बार जेल जा चुका है और 3,139 दिनों तक जेल में रहने का उसका रिकॉर्ड है।

उसे 28 फरवरी, 2013 को दो अन्य के साथ गिरफ्तार किया गया था। उसके कुराली स्थित ठिकाने से काफी संख्या में हथियार और गोला बारूद बरामद हुए थे। वह बब्बर खालसा इंटरनेशनल के आतंकवादियों जगतार सिंह हवारा, परमजीत सिंह भ्योरा, जगतार सिंह तारा और देवी सिंह को 2004 में चंडीगढ़ की बुरैल जेल से भागने में मदद की थी।

ध्यान रखिए कि ये सब पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के हत्यारे हैं, जो जेल में सुरंग खोदकर फरार हो गए थे। हालांकि इस मामले में वह बरी किया जा चुका है। उस पर 8 मई ,2010 को परमजीत सिंह पंचवाड़ के ड्राइवर रहे रतनदीप सिंह के साथ अमृतसर में सर्किट हाउस के पास एक कार में आरडीएक्स रख कर धमाका करने की साजिश का भी आरोप लगा था।

तरण तारण, गुरदासपुर सहित अन्य जिलों में भी उस पर गैर-कानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम यानी यूएपीए सहित गंभीर धाराओं में मामले दर्ज हैं। अंतिम बार वह 2022 में जमानत पर बाहर आया। चार दशक पहले उसके पाकिस्तान जाकर प्रशिक्षण लेने की भी बात सामने आई है। वहां उसने खालिस्तान नेशनल आर्मी का गठन किया था। वास्तव में आतंकवाद के शुरु आती चरण के दौरान पंजाब में हथियारों और विस्फोटकों की बड़ी खेप की तस्करी में वह शामिल रहा। पाकिस्तान में रहते हुए उसने गुरिल्ला युद्ध और देशद्रोही साहित्य पर किताब भी लिखी। सुखबीर बादल पर हमले के बाद केंद्रीय रेल राज्य मंत्री नवनीत सिंह बिट्टू का बयान है कि नारायण चौड़ा ने 2009 में उन पर भी हमला किया था। उनके अनुसार वह गाड़ी में आरडीएक्स लेकर घूमता था।

बिट्टू लगातार यह विषय उठा रहे हैं कि ऐसे आतंकवादियों को जेल से रिहा करना खतरनाक है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मामले में एसआईटी गठित कर दी है, जिसमें अमृतसर पुलिस कमिश्नर के साथ 5 वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। आप सोचिए, इस तरह का खतरनाक व्यक्ति पंजाब में सरेआम घूम रहा है तो इसे किस रूप में देखा जाए? वह धर्म पर व्याख्यान देता है, पुस्तक के अलावा लेख, कविताएं लिखता है। उसमें क्या बातें होती होंगी इसकी आसानी से कल्पना की जा सकती है। अगर वह पूरे बादल परिवार को पंथ का गद्दार मानता है तो इसमें आश्चर्य की कोई बात नहीं। वह सरेआम बोलता रहा है कि उपमुख्यमंत्री के रूप में सुखबीर बादल, उनके पिता मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल पंथ के विरु द्ध काम करते रहे हैं। ऐसी आतंकी सोच रखने वालों के लिए हर वह व्यक्ति पंथ का गद्दार होगा जो उसकी खालिस्तान संघर्ष की योजना का साथ न दे। उसने टीवी चौनल पर भी बादल परिवार को ध मकी दी थी। सूचना यह है कि केंद्र सरकार भी इस संबंध में पुलिस को सचेत कर चुकी थी।

उसकी मानसिकता देखिए कि पुलिस ने जब उसे पकड़ा तो हंस रहा था। वास्तव में चौड़ा अकेले नहीं है जो इस समय पंजाब में सरेआम घूमते हुए हिंसक वातावरण निर्माण कर रहा है। हमने पंजाब के शहरों में खालिस्तान समर्थकों को सरेआम झंडा लेकर सडकों पर प्रदर्शन करते देखा है। अमृतपाल सिंह का मामला सामने है। उसे किस तरह तैयार करके भारत भेजा गया यह भी सामने आ चुका है।

इन स्ट्रेंथ ट्रेनिंग एक्सरसाइज को करने के लिए नहीं पड़ती है वेट की जरूरत

अमूमन लोग शरीर की अतिरिक्त चर्बी को कम करने और मांसपेशियों को मजबूत बनाए रखने के लिए वेट वाली एक्सरसाइज को शामिल कर लेते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि बिना वेट के भी कुछ ऐसी स्ट्रेंथ ट्रेनिंग एक्सरसाइज हैं? शायद नहीं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी ही स्ट्रेंथ ट्रेनिंग एक्सरसाइज के बारे में बताते हैं, जिन्हें बिना वेट के आसानी से घर में की जा सकती है।

प्लैंक

सबसे पहले अपने घुटने मोडकर जमीन पर बैठ जाएं और दोनों कोहनियों को फर्श पर टिकाकर आपस में बांध लें, फिर पैरों को फैलाकर पेट के बल लेट जाएं। ध्यान रहें कि इस दौरान आपके कंधे और कोहनियां एक ही सीध में हो। अब कोहनी को कसकर रखें और शरीर का भार पैरों की उंगुलियों और हथेलियों पर रखें, फिर पांच-छह मिनट इसी स्थिति में रहें। इसके बाद धीरे-धीरे एक्सरसाइज छोड़ते हुए सामान्य हो जाए।

स्क्वाट

स्क्वाट एक्सरसाइज करने के लिए सबसे पहले अपने दोनों हाथ सामने की ओर खोलकर सीधे खड़े हो जाएं। इस दौरान आपकी छाती एकदम तनी हुई होनी चाहिए। अब धीरे-धीरे अपने घुटनों को मोड़ते हुए ऐसे बैठें, जिस तरह से कुर्सी पर बैठा जाता है। इसके बाद सांस भरते हुए धीरे-धीरे नीचे झुकें और फिर ऊपर आते समय सांस छोड़ें। ऐसा आप 10 मिनट तक कर सकते हैं। शुरूआत में 10 स्क्वाट करें और फिर धीरे-धीरे 12-15 तक ले जाएं।

लंज

लंज एक्सरसाइज के लिए सबसे पहले जमीन पर सीधे खड़े होकर अपने दाएं पैर को आगे बढ़ाएं और उसको घुटनों से मोड़ते हुए 90 डिग्री का कोण बनाएं। अब बायां पैर पीछे के ओर सीधा करें और दोनों पैरों के बीच में कम से कम दो-तीन फीट की दूरी कायम करें। कुछ सेकेंड इसी स्थिति में रहने के बाद खुद को ऊपर की ओर उछालें। इससे आप प्रारंभिक स्थिति में आ जाएंगे। इसी तरह दोनों पैर से 12-15 रेप्स करें।

पुश-अप्स

बिना वजन वाली स्ट्रेंथ ट्रेनिंग वाली एक्सरसाइज में पुश-अप्स भी शामिल है। पुश-अप्स एक्सरसाइज करने के लिए सबसे पहले जमीन पर घुटनों के बल बैठ जाएं, फिर अपने पैरों को पीछे की ओर सीधा करके हाथों और पंजों पर पूरे शरीर का भार डालें। अब कोहनी को मोड़ें और सीने को फर्श के पास लाएं, फिर धीरे-धीरे ऊपर उठें। अच्छे परिणाम के लिए ऐसा कम से कम 10 बार तो जरूर करें।

सुपर मार्केट से जुड़े इन भ्रमों को सही मानते हैं लोग, जानिए इनकी सच्चाई

घर का राशन खरीदना हो या फिर फल और सब्जियां, सुपर मार्केट एक ऐसा वन स्टॉप है, जहां आपको कई तरह की चीजें सही दाम में मिल सकती है। हालांकि जैसे-जैसे सुपर मार्केट में तरह-तरह की चीजों की वैरायटी बढ़ती जा रही हैं, वैसे-वैसे लोगों के मन में इससे जुड़े कई भ्रम घर करते जा रहे हैं, लेकिन इनकी सच्चाई कुछ अलग ही है। आइए सुपर मार्केट से जुड़े कुछ सामान्य भ्रमों और उनकी सच्चाई जानते हैं।

भ्रम- थोक में सामान लेना सस्ता पड़ता है

कई लोगों का मानना है कि थोक में सामान लेना सस्ता पड़ता है, जबकि ऐसा नही है। दरअसल, थोक में खरीदी जाने वाली चीजे भले ही आपको दाम में सस्ती लगे, लेकिन उनका उनकी एक्सपायरी डेट आदि खत्म होने पर होती है और इसके कारण उनमें से कई चीजों का इस्तेमाल भी समय से नहीं हो पाता।

एक अध्ययन के अनुसार, थोक खरीदारी की तुलना में अधिकांश वस्तुओं की लागत कम होती है।

भ्रम- सफेद अंडे की तुलना में भूरे अंडे स्वास्थ्यवर्धक होते हैं

यह भी एक भ्रम है कि सफेद अंडे की तुलना में भूरे अंडे स्वास्थ्यवर्धक होते हैं, जबकि ऐसा नहीं है। सुपर मार्केट में आपको अंडों की दो तरह (सफेद और भूरे) की वैरायटी जरूर मिलेगी, लेकिन इनमें से भूरे रंग के अंडे स्वास्थ्यवर्धक होते है और सफेद अंडे नहीं, ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। इन दोनों अंडों में सिर्फ रंग का फर्क होता है और पोषक तत्वों के मामले में दोनों रंग के अंडे बराबर होते हैं।

भ्रम- फ्रोजन फूड में पोषक तत्व नहीं होते हैं

यह भी सिर्फ एक भ्रम है कि फ्रोजन फूड में पोषक तत्व नहीं होते हैं और यह बात सच से कोसों दूर है। फ्रोजन फूड की कई वैरायटी में पर्याप्त मात्रा में पोषक तत्व मौजूद रहते हैं। हालांकि यह बात सच है कि फ्रेश फूड की तुलना में फ्रोजन फूड स्टोर करने के दौरान अपने कुछ पोषण खो देते हैं, लेकिन फ्रोजन फूड में पोषक तत्व होते ही नहीं है, यह बात सच नहीं है।

भ्रम- राशन की लिस्ट के अनुसार ही सामान खरीदना बेहतर है

अगर आपका मानना भी यही है कि राशन की लिस्ट के अनुसार ही सामान खरीदना बेहतर है तो यह एक भ्रम के अलावा और कुछ नहीं है। यकीनन राशन की लिस्ट के अनुसार ही सामान खरीदना अच्छा है, लेकिन हर स्थिति में यह नियम लागू नहीं हो सकता है। अगर सुपरमार्केट में बिक्री या छूट चल रही है या आपको अपनी पसंदीदा वस्तु का सस्ता विकल्प मिल रहा है तो लिस्ट से थोड़ा हटकर चलना ठीक है।

स्ट्रॉबेरी को इन तरीकों से करें अपने स्किन केयर रूटीन में शामिल, मिलेंगे कई फायदे

जिस तरह से स्ट्रॉबेरी का सेवन स्वास्थ्य को कई तरह लाभ प्रदान कर सकता है, ठीक उसी तरह से इसका इस्तेमाल त्वचा के लिए भी फायदेमंद हैं। स्ट्रॉबेरी कई विटामिन्स, एंटी-ऑक्सिडेंट और आवश्यक फैटी एसिड से भरपूर होता है, इसलिए यह त्वचा को निखारने के साथ पोषित करने का काम कर सकता है। आइए आज आपको बताते हैं कि स्ट्रॉबेरी को किन-किन तरीकों से अपने स्किन केयर रूटीन में शामिल करके आप इसका भरपूर फायदा पा सकते हैं।

फेस टोनर के तौर पर करें इस्तेमाल

त्वचा को हाइड्रेटेड और ताजा रखने के लिए स्ट्रॉबेरी का इस्तेमाल बतौर फेस टोनर किया जा सकता है। इसके लिए सबसे पहले दो से तीन स्ट्रॉबेरी को ब्लेंडर में ब्लेंड कर लें, फिर इस मिश्रण का जूस छानकर किसी स्प्रे बोतल में डालें। अब इस बोतल में ठंडा गुलाब जल मिलाएं। जरूरत पडने पर इस मिश्रण को अपने चेहरे पर छिडकें और 15 मिनट बाद अपने चेहरे को साफ पानी से धोकर मॉइश्चराइजर लगा लें।

स्ट्रॉबेरी से मॉइश्चर बनाकर करें इस्तेमाल

इसके लिए सबसे पहले एक बोतल में तीन चम्मच शुद्ध गुलाब जल, एक चम्मच ग्लिसरीन और दो चम्मच स्ट्रॉबेरी का गूदा डालें, फिर बोतल को तब तक हिलाएं जब तक कि सभी सामग्रियां आपस में अच्छे मिल न जाएं। अब इसमें से थोड़ा-सा मिश्रण लेकर रोजाना अपनी त्वचा पर मॉइश्चर के तौर पर लगाएं। अगर आप अपनी त्वचा को हाइड्रेट और मॉश्चराइज रखना चाहते हैं तो इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता।

स्ट्रॉबेरी से बनाएं स्किन स्क्रब

स्क्रब त्वचा की गहराई से सफाई करने में मदद करता है और इसे बनाने के लिए आप स्ट्रॉबेरी का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले एक कटोरी में एक बड़ी चम्मच स्ट्रॉबेरी के गूदे के साथ एक बड़ी चम्मच ब्राउन शुगर या सफेद चीनी मिलाएं। अब इस मिश्रण को अपने चेहरे, हाथों और पैरों पर सर्कुलर मोशन में धीरे-धीरे से कुछ मिनट रगड़ें और अंत में इन सभी को साफ पानी से धो लें।

क्लींजर के रूप में करें इस्तेमाल

आप चाहें तो क्लींजर के तौर पर स्ट्रॉबेरी को अपने स्किन केयर रूटीन में शामिल कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले एक स्प्रे बोतल को मिनरल वॉटर से भरकर इसमें स्ट्रॉबेरी का जूस मिलाएं, फिर इससे चेहरे को गीला करें। इसके बाद इसे करीब 20-30 सेकंड तक चेहरे पर ऐसे ही रहने दें, फिर टिशू पेपर से चेहरे को साफ कर लें। इससे आपका चेहरा खिला-खिला नजर आएगा।

घंटों इंतजार के बाद भी नहीं मिल पा रहे यात्रियों को वाहन

देहरादून। यात्री वाहनों के चुनाव में चले जाने से यात्रियों की परेशानी बढ़ गई है। गढ़वाल और कुमाऊं के साथ ही दिल्ली, चड़ीगढ़ और हिमाचल के लिए बसें नहीं मिल पा रही है। टैक्सी-मैक्सी भी चुनाव में हैं। ऐसे में यात्रियों को घंटों तक इंतजार करना पड़ रहा है। आईएसबीटी में यात्री सुबह से ही भटकते दिखे। रोडवेज की अधिकांश साधारण बसें चुनाव में है। दिल्ली के लिए जहां पहले हर दस से बीस मिनट के बाद बस चलती थी, अब घंटों तक इंतजार करना पड़ रहा है। ऋषिकेश, हरिद्वार, रुड़की, सहारनपुर के यात्री भी परेशान रहे। कुमाऊं के लिए भी यात्रियों को बसें नहीं मिल पाई। इधर, रिस्पना टैक्सी स्टैंड पर यात्री दिनभर भटकते दिखे। बाहर मुख्य हाईवे पर यात्री बसों का इंतजार करते दिखे। जैसे ही बस आ रही थी, उसमें बैठने के लिए धक्का-मुक्की हो रही थी। मसूरी बस अड्डे और परेड ग्राउंड में भी यात्री परेशान रहे। विश्वनाथ सेवा के प्रभारी पंकज सिंधवाल ने बताया कि उनकी सभी बसें चुनाव में चली गई हैं। इसलिए रविवार को एक भी सेवा नहीं चली। इधर, रोडवेज की पहाड़ की दस से ज्यादा सेवाएं ठप हो गई है।

सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय ने मनाया पांचवां स्थापना दिवस, उपलब्धियों पर डाला प्रकाश

अल्मोड़ा। सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय ने बुधवार को अपने पांचवें स्थापना दिवस का आयोजन प्रशासनिक भवन में कुलपति प्रो. सतपाल सिंह बिष्ट की अध्यक्षता में किया। कार्यक्रम में पूर्व कुलपति प्रो. जगत सिंह बिष्ट, निदेशक प्रो. सुशील कुमार जोशी, परीक्षा नियंत्रक डॉ. पंकज साह, वित्त अधिकारी अमित कुमार त्रिपाठी सहित विश्वविद्यालय परिवार के सदस्य मौजूद रहे। इस अवसर पर एक पत्रकार वार्ता भी आयोजित हुई, जिसमें विश्वविद्यालय की हालिया उपलब्धियों और भावी योजनाओं पर चर्चा की गई। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय ने देश-विदेश के 15 उत्कृष्ट शैक्षिक एवं शोध संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन किए हैं। यहां हैप्पीनेस सेंटर, स्वामी विवेकानंद-महात्मा गांधी आध्यात्मिक पर्यटन परिपथ अध्ययन केंद्र और उद्यमिता विकास केंद्र की स्थापना हो चुकी है। फोरेंसिक साइंस, स्पिरिचुअल टूरिज्म एंड जर्नलिज्म, हिमालय फोटोग्राफी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बायोटेक्नोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, फायर सेफ्टी, हॉस्पिटल मैनेजमेंट, इंडस्ट्रियल माइक्रोबायोलॉजी, मिलिट्री साइंस, एनसीसी सहित 40 से अधिक स्नातक, परास्नातक, डिप्लोमा और प्रमाणपत्र पाठ्यक्रमों के संचालन का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। शीघ्र ही शिक्षकों और कर्मचारियों की भर्ती के साथ संरचनात्मक सुधार, शोध कार्यों के

विस्तार और आईटी लैब, छात्रावास, स्टेडियम सहित अन्य सुविधाओं के विकास पर कार्य हो रहा है। खेल, एनसीसी और एनएसएस के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर पर कई उपलब्धियां अर्जित की हैं। स्थापना दिवस पर आयोजित गोष्ठी में पूर्व कुलपति प्रो. जगत सिंह बिष्ट ने कहा कि विश्वविद्यालय ने स्थापना के बाद से चुनौतियों का सामना करते हुए लगातार प्रगति की है। उन्होंने स्थापना काल की कठिनाइयों को याद करते हुए वर्तमान में भी सुधार की आवश्यकता पर बल दिया और सभी को शुभकामनाएं दीं। पूर्व परीक्षा नियंत्रक एवं आईक्यूएसी निदेशक प्रो. सुशील कुमार जोशी ने कहा कि विश्वविद्यालय की नींव मजबूत बनाने में संविदा शिक्षकों और गैर-शैक्षणिक कर्मियों का योगदान सराहनीय है, और इनके भविष्य को लेकर ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। कुलपति प्रो. सतपाल सिंह बिष्ट ने कहा कि हम सकारात्मक सोच के साथ विश्वविद्यालय को देश के अग्रणी संस्थानों में शामिल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पद सृजन की प्रक्रिया शासन स्तर पर चल रही है, जबकि खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए हाई एल्टीट्यूड स्पोर्ट्स सेंटर खोलने की योजना है। कार्यक्रम का संचालन मीडिया प्रभारी डॉ. ललित चंद्र जोशी ने किया। इस अवसर पर कला संकायाध्यक्ष प्रो. अरविंद सिंह अधिकारी, खेल प्रभारी लियाकत अली, विपिन चंद्र जोशी, गोविंद मेर, विनीत कांडपाल, नेहा पांडे, आलोक वर्मा, डॉ. खगेन्द्र खोलिया, डॉ. ममता जोशी, डॉ. बिष्ट, प्रेम सिंह समेत अनेक शिक्षक-कर्मचारी उपस्थित रहे।

बारिश और तेज धूप से पहाड़ी टूटने का खतरा बढ़ा

रुद्रप्रयाग। भारी बरसात के बीच निकल रही तेज धूप से पहाड़ चटकने का खतरा बढ़ गया है। हर साल बरसात खत्म होने के बाद ऐसी स्थिति पैदा होती है इसलिए सड़कों पर चलने वाले वाहन चालकों को बारिश के साथ ही तेज धूप में भी संभलकर चलने की जरूरत है। बीते दिन तेज धूप खिली थी और इसी बीच बदरीनाथ हाईवे पर शिवानंदी के बीच भारी बोल्डर गिरने से एक वाहन चपेट में आ गया जिससे महिला की मौत हो गई जबकि चार घायल हो गए। इसी तरह अन्य जगहों से वाहनों के ऊपर बोल्डर और मलबा गिरने की घटनाएं निरंतर हो रही है। जानकार कहते हैं कि बरसात से पूरी पहाडी कमजोर रहती है। ऐसे में लूज चट्टान और बोल्डरों का गिरने का खतरा ज्यादा होता है। अक्सर वाहन चलाते हुए सड़कों पर चालक की नजर आगे रहती है, किंतु इसके प्रति और भी सर्तक रहने की जरूरत है। भू-वैज्ञानिक डॉ एसपी सती बताते हैं कि बरसात में जहां भूस्खलन की गतिविधियां तेज होती है वहीं पहाड़ियों से बोल्डर गिरने का क्रम भी बढ़ता है ऐसे में सड़क पर चलने वाले हर नागरिक को सर्तक रहना चाहिए। पुलिस उपाधीक्षक प्रबोध घिल्डियाल ने बताया कि अगस्त से सितम्बर मध्य के बीच बारिश और तेज धूप में पहाड़ी दरकने, बोल्डर गिरने की घटनाएं बढ़ती है इसलिए सड़कों पर काफी अलर्ट होते हुए वाहन चलाएं। बीते कई दिनों से सड़कों पर वाहनों के बोल्डर और मलबे की चपेट में आने की घटनाएं सुनाई दे रही है। हमें सर्तक और जागरूक रहने की जरूरत है। बरसात में यात्रा करने से बचें, बहुत जरूरी होने पर ही सफर करें।

जिला मुख्यालय गोपेश्वर में हुआ पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित

चमोली। जिला मुख्यालय गोपेश्वर में बुधवार को महिला मंगल दल, सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय निवासियों द्वारा पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी संदीप तिवारी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

जिलाधिकारी का शाल ओढ़ाकर एवं रामचरित मानस भेंटकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर महिलाओं ने मंगल गीत भी प्रस्तुत किए। जिलाधिकारी ने सभी जनपद वासियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनकी सक्रिय सहभागिता के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि चमोली की जनता के प्रेम और स्नेह के लिए वे आभारी हैं। पौधरोपण के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि जंगलों को हरा-भरा बनाए रखना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है, ताकि जिले की नैसर्गिक सुंदरता बनी रहे।

जिलाधिकारी द्वारा सिरोखुमा वैतरणी सड़क मार्ग पर पीपल का पौधा रोपित किया गया।इस दौरान डीएफओ बद्रीनाथ सर्वेश कुमार दुबे और डीएफओ केदारनाथ तरुण एस ने भी पौधे रोपे। साथ ही जल, जंगल और जमीन के संरक्षण की शपथ भी ली गई। जिलाधिकारी ने कहा कि आज लगाए गए पौधों की नियमित निगरानी एवं देखभाल सुनिश्चित की जाएगी।

उल्लेखनीय है कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं की चिपको आंदोलन में सक्रिय भूमिका रही चिपको आंदोलन के प्रथम चरण (24 अप्रैल 1973 को मण्डल चिपको) तथा दूसरे चरण (25दिसंबर 1973 को केदार घाटी के रामपुर-फाटा) में चले चिपको आंदोलन में कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं की सक्रिय भूमिका रही है। चिपको की मातृ संस्था दशोली ग्राम स्वराज्य मण्डल के तत्वाधान में श्यामा देवी के नेतृत्व में अनसूया प्रसाद भट्ट,इंदिरा देवी, जेठूली देवी, पार्वती देवी, जयंती देवी ने एक माह तक केदार घाटी के गाँवों में घूमकर चिपको की अलख जगाकर महिलाओं को संगठित किया था। इसी के साथ 1970 मे श्यामा देवी के नेतृत्व में इन महिलाओं ने चंद्रापुरी(रुद्रप्रयाग) में एक माह तक मद्यनिषेध कार्यक्रम के तहत शराब के खिलाफ सत्याग्रह किया था और टिहरी शराब विरोधी आंदोलन में एक माह तक जेल में रही। श्यामा देवी इसी दौरान तत्कालीन राष्ट्रपति से मिली और पहाड़ में शराब् के ठेके के खिलाफ अपनी बात रखी। इसके बाद एक दशक तक इस क्षेत्र में शराब पर पूर्ण प्रतिबंध रहा।

कार्यक्रम में सुशीला सेमवाल, चंद्रकला बिष्ट,वन सरपंच सुनीता भट्ट,ओम प्रकाश भट्ट प्रबंध न्यासी सी पी भट्ट पर्यावरण विकास केंद्र, चिपको मातृ संस्था दशोली ग्राम स्वराज्य मण्डल के मंत्री विनय सेमवाल , शांति प्रसाद भट्ट, गोपाल दत्त भट्ट, मनोज तिवारी, जयंती प्रसाद भट्ट,कुलदीप भट्ट, आयुष चौहान,मीना भट्ट, विनीता भट्ट,पुष्पा नेगी,कुंती चौहान, देवेशवरी देवी, दिगंबरी देवी, उमा देवी, कुंती देवी, संगीता भट्ट,शर्मिला डिमरीआदि मौजूद थे।

बैंक 31 अगस्त तक करें लंबित प्रकरणों का निस्तारण

नई टिहरी। भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी), जिला सलाकार समिति एवं जिला समीक्षा समिति टिहरी गढ़वाल की त्रैमासिक बैठक में डीएम नितिका खंडेलवाल ने सभी बैंकों को आगामी 31 अगस्त तक लंबित प्रकरणों को निस्तारित कर इसका अपडेट देने के कड़े निर्देश दिये। डीएम नितिका खण्डेलवाल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में सभी बैंकों को शत-प्रतिशत लक्ष्य पूरा करने को निर्देशित किया गया। डीएम ने सभी बैंकर्स को वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने, सभी बैंक शाखाओं को प्रत्येक माह में कम से कम एक वित्तीय साक्षरता कैम्प का आयोजन करने तथा लंबित प्रकरणों का समयान्तर्गत निवारण करने के निर्देश दिए। जबकि इस 31 अगस्त तक सभी बैंक में लंबित मामलों के निस्तारण के सख्त निर्देश दिये गये। इसके साथ ही डीएम ने प्राधिकरण से संबंधित प्रकरणों के लिए अलग से बैठक आयोजित करने को कहा। बैठक में बताया गया कि एसबीआई ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) ने वर्ष 2025-26 में 34 प्रशिक्षण कार्यक्रमों में 1000 प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षित किये जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभी तक संस्थान ने कुल 3 प्रशिक्षण कार्यक्रमों में चंबा और जाखनीधार में आयोजन कर 76 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण दिया है। वर्ष 2025-26 में 79 प्रशिक्षणार्थियों ने स्वरोजगार प्रारम्भ किया है, जिसमें से 62 प्रशिक्षणार्थियों ने बैंक ऋण की सहायता से तथा 17 प्रशिक्षणार्थियों ने स्वयं के माध्यम से स्वरोजगार प्रारम्भ किया है। जिला सलाकार समिति एवं जिला समीक्षा समिति की बैठक में वार्षिक ऋण योजना वर्ष 2025-26 की प्रगति समीक्षा के दौरान बताया कि वर्ष 2025-26 के लिए जारी किये गये नाबार्ड के पोटेंशियल लिंक्ड प्लान पर आधारित वार्षिक ऋण योजना के लिए कुल लक्ष्य 1131.57 करोड़ के सापेक्ष सभी बैंकों में 217.93 करोड की प्रगति हो पाई है।

बंद सड़कों को युद्ध स्तर पर खोलने के निर्देश

पौड़ी। लोनिवि एवं पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने बंद सड़कों को युद्ध स्तर पर खोलने के निर्देश दिए हैं। बुधवार को पौड़ी पहुंचे लोनिवि मंत्री सतपाल महाराज अफसरों की बैठक लेने के बाद पत्रकारों से बातचीत में कहा कि आपदा प्रभावितों के साथ प्रदेश सरकार खड़ी है और बजट की कोई कमी नहीं है। महाराज ने कहा कि अफसर हर हाल में अपने फोन को रिसीव करें और यदि किन्हीं कारणों से कॉल रिसीव न हो पाए तो बाद उसे वापस जरूर करें। लोनिवि मंत्री ने कहा कि आपदा से जिले में हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है और जल्द ही यह काम पूरा कर लिया जाएगा। इसमें फसलों की क्षति को भी शामिल किया गया है। इस दौरान राशन से लेकर गैस सप्लाई और आपदा क्षेत्रों में बिजली और पानी की सप्लाई को भी ठीक किया जा रहा है अधिकतर क्षेत्रों में सप्लाई सुचारू भी कर दी गई है। लोनिवि मंत्री ने कहा कि आपदा के मानकों के लेकर सीएम से भी वार्ता की जाएगी। कहा कि सड़कों को आपदा से हुई क्षति को लेकर रिपोर्ट मांगी गई है। लोनिवि मंत्री ने बताया कि उनकी विधानसभा चौबट्टाखाल के कोटा निवासी रामेश्वरी देवी की मलबे में दबने से मौत हो गई थी। जिस पर उनके बेटे जीतेंद्र को 4 लाख की राहत राशि दे दी गई है। विधानसभा क्षेत्र में 107 परिवारों के घर आंशिक तौर पर क्षतिग्रस्त हुए है,

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक **गार्गी मिश्रा** द्वारा इंटर ग्राफिक आफसेट प्रिंटर्श 64 नेशविला रोड़ देहरादून, उत्तराखंड से मुद्रित, 98, 2-फ्लोर, सनशाइन अपार्टमेन्ट, नागल हटनाला, कुल्हान, सहस्त्रधारा रोड, देहरादून - 248001 से प्रकाशित।

सम्पादकः
गार्गी मिश्रा
8765441328

समस्त विवाद देहरादून न्यायालय के अधीन होंगे।